(3) Discussion on the Report entitled "The State of Panchayats—A Mid-Term Review and Appraisal".

(4) Consideration and return of the Appropriation Bills relating to the following Demands, after they are passed by Lok Sabha:—

Supplementary Demands for Grants (Railways) for 2006-07; and Demands for Excess Grants (Railways) for 2004-05.

STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of recommendations contained in the Thirteenth Report of Department-related Parliamentary Standing Committee on Consumer Affairs, Food And Public Distribution

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OFAGRICULTUREAND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CONSUMERAFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (DR. AKHILESH PRASAD SINGH): Sir, I beg to lay a statement on the status of implementation of recommendations contained in the Thirteenth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Consumer Affairs, Food and Public Distribution.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION—*(Contd.)*

Demolition of houses of Hindu minority in Kazhakistan

SHRI SANTOSH BAGRODIA(Rajasthan): Mr. Deputy Chairman, Sir, you have been very kind after about 8 days. This notice was given about 8 days ago. There has been a very unprecedented act in Kazhakistan. The police under the instructions of the Government have demolished scores of houses belonging to the Hindu minority. The Hindu are a great minority in Kazhakistan. In this acute winter, these Hindu families are on the road, and they are suffering without any limit. Sir, one affected lady from these families has come to India also. I am sure the Government will look into it. Sir, this is the greatest looting of the land of minority, particularly Hindus, by the Government of Kazhakistan itself, and this particular point has been discussed in different places* like USA, Canada and Australia by different organizations. Even in Britain, the Prime Minister, Mr. Tony Blair

himself has raised this issue along with many British parliamentarians. A Resolution has also been passed in the British Parliament. I, therefore, urge upon the House to condemn this act of the Kazhakistan Government and their police. | also propose a Resolution which may please be accepted and passed by this House. I propose the Resolution.

> "It is resolved that the act of Kazhakstan police in demolishing 11 for more houses belonging to the religious minority, that is, Hindus, is unprecedented. This House takes a strong note of the same and strongly condemns and recommends that the Government of Kazhakstan must protect all religious minorities, particularly Hindus. Their land should be restored to them and enough compensation should be paid so that they can build their houses a new immediately."

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : धन्यवाद उपसभापति जी, अभी-अभी भाई बागड़ोदिया जी ने जो विषय सदन के सामने रखा है उस विषय से अपनी पार्टी को सम्बद्ध करते हुए कुछ चीजें जोड़ना चाहती हूं । उपसभापति जी कृष्ण भक्ति आंदोलन भारत की सीमा को लांघकर विश्व के अलग-अलग देशों तक फैल रहा है और इस्कॉन नाम की संस्था इस दिशा में बहुत बड़ी भूमिका अदा कर रही हैं । कजाकिस्तान में भी यह मंदिर इस्कॉन का ही था जिस परिसर में यह मकान बने हुए थे और इस्कॉन मंदिर के परिसर में घुसकर दंगा विरोधी पुलिस कर्मियों ने जो कजाकिस्तान पुलिस के थे, बुल्डोजरों के माध्यम से उनके धरों को घ्वस्त कर दिया । और करासाई जिले में एक मंदिर को भी ढहाने की योजना वे बना रहे हैं । सर, इसमें दो बातें बहुत उल्लेखनीय हैं। पहली बात तो यह है कि अगर कजाकिस्तान में कोई हिन्दू भूमि लेना चाहता है, खरीदना चाहता है तो उसे यह घोषणा करनी पड़ती है कि वह हिन्दू नहीं है। इस्कॉन का एक प्रतिनिधिमडंल जब कजाकिस्तान सरकार के लोगों से मिलने गया तो सरकार के प्रतिनिधि ने उनसे कहा कि Hindus have no place in Kazhakistan. उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहती हूं, कि भारत में अलग से एक अप्रवासी भारतीय मंत्रालय बना हुआ है। भारत एक ऐसा देश है जहां के बहुसंख्यक निवासी हिन्दू हैं इसलिए भारत सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि हिन्दुओं पर बाहर अगर अन्याय हो रहा है तो हम उनकी हित रक्षा करें । कल मुझे टीवी पर यह देखकर दुख हुआ कि रति मंजरी नाम की एक महिला जो रूसी नागरिक है, वह कृष्ण भक्तिनी हैं, वह आया और टीवी पर कल वह जार-जार रो रही थी । उसने कहा कि मुझे ठंड में ठिठुरते हुए बाहर फैंक दिया गया और में केवल भारत की सरकार से रक्षा की गुहार करने आयी हूं । आज उसकी रक्षा की गुहार मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने रखना चाहती हूं और यह कहना चाहती हूं कि जो प्रस्ताव अभी संतोष बागडोदिया जी ने रखा है, उसको सर्वसम्मति से सदन को पारित करना चाहिए और सरकार को

अपने स्तर पर, जैसे टोनी ब्लेयर जी ने यह मामला उठाया, जैसे ब्रिटेन के हाउस आफॅ कॉमन्स में यह प्रस्ताव पारित हुआ-संसदीय कार्य मंत्री जी मेरी बात सुनें, आप उधर बात कर रहे हैं, रूसी नागरिक महिला आपसे गुहार लगा रही हैं और उसकी गुहार मैं अपनी जुबान से आपके सामने रख रही हैं – भारतीय सरकार का यह कर्तव्य है कि वह कजाकिस्तान में बस रहे हिन्दुओं की हित रक्षा करे, उनको मार करके बाहर गिरा दिया गया है –रति मंजरी यहां आयी हैं – आप उन हिन्दुओं की रक्षा करें और खड़े होकर यह आश्वासन दीजिए कजाकिस्तान में बस रहे कृष्ण भक्तों के ऊपर जो अत्याचार हो रहे हैं , उन अत्याचारों से भारत सरकार उन्हें निजात दिलाएगी, भारत सरकार कजाकिस्तान सरकार से तुरंत वार्ता करेगी और उन लोगों को न्याय दिलाने का काम करेगी । धन्यवाद

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : केवल असोसिएट कीजिए । किसी को बोलने के लिए ...(**व्यवधान**)...

श्री वीरेन्द्र भाटिया : सर, मैं बोल नहीं रहा हूं । आप एक मिनट मेरी बात तो सुन लें । हम लोगों से कुछ नाराजगी हो तो बात दूसरी है।

श्री उपसभापति : नाराजगी की बात नहीं है, कल ही डिसीजन हुआ है ।

श्री वीरेन्द्र भाटिया : कुछ आप दूसरे मैंबर्स को भी सुनेंगे कि नहीं सुनेंगे?

श्री उपसभापति : देखिए आप असोसिएट कीजिए ।

श्री वीरेन्द्र भाटिया : सर, मैंने आपसे वादा किया है और अगर मैं एक मिनट से ज्यादा लूं तो आप मुझे बिठा दीजिएगा। मैं स्वयं को समाजवादी पार्टी की ओर से इस प्रस्ताव से संबंद्ध करता हूं । सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि भारत सरकार से जो प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, वह नहीं आयी- टोली ब्लेयर की प्रतिक्रिया आई - यह बहुत दुखद है और इस पर भारत सरकार को तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए ।

Demand for suspension of Police Officer for making Derogatory Remarks about Imarat-e-sariah in Phulwari Sharif near Patna

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार) : धन्यवाद महोदय, पटना के समीप फुलवारी शरीफ में "इमारत-ए-शारिया" नाम का धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक संस्थान है जिसके साथ लाखों मुसलमान, हिन्दू और अन्य धर्मो के लोग जुडे हुए हैं । महोदय, यह वही सस्थांन है जिसकी जब बुनियाद रखी गयी थी तो हमारे देश के राष्ट्रीय नेता मौलाना अबुल कलाम आजाद जी इस समारोह में गए थे और उन्होंने उसकी अध्यक्षता की थी । 2005 में माननीय राष्ट्रपति जी भी उस संस्थान में गए थे । महोदय, इस संस्थान के माध्यम से देश के लाखों-करोड़ों हिन्दुओं और